(d) The Electricity Laws (Amendment) Bill 1997, was introduced in the last session of the Parliament to amend the Indian Electricity Act. 1910 and Electricity (Supply) Act. 1948, widen the scope for private investment in transmission projects. The Bill is under the consideration of the Standing Committee on Energy.

Power Requirement by 2000 AD

575. SHRI SHIV CHARAN SINGH: Will the MINISTER OF POWER be pleased to state:

(a) what is the expected requirement of power in the country by 2000 AD and what is the expected generation by them;

(b) whether Government are planning to generate power for industry through atomic/nuclear generation; and

(c) if so, details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) The projected peak load and energy requirement in the country by the year 2000 A.D. as per the 15th Electric Power Survey Report is 84466 MW and 502254 MU respectively. Demand for power in the Ninth Plan is to be finalised. The expected generation by 2000 A.D. would depend upon the Ninth Plan power programme which is under finalisation.

(b) and (c) Subject to the budgetary support availability of sites and other relevant techno-economic considerations, nuclear power would be promoted to supplement other conventional and non-conventional sources of energy.

मध्य प्रदेश में विद्युत केन्द्र

576. **श्री एस० एस० सुरजेवाला:**
श्री अजीत जोगी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश राज्य में कुल कितने विद्युत केन्द्र/उपकेन्द्र हैं;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान विद्युत उत्पादन क्षमता में वर्ष-वार कितनी वृद्धि हुई है;

(ग) क्या सरकार इन विद्युत केन्द्रों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा विद्युत मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ): (क) एनटीपीसी की 2 ताप विद्युत स्टेशन समेत 7 ताप विद्युत स्टेशन और 6 जल विद्युत स्टेशन (मिनि और माइको प्लान्ट को छोडकर) मध्य प्रदेश में स्थापित है। मार्च 1997 की स्थितिनुसार मध्य प्रदेश में 1661 सब-स्टेशन (ई एच वी और एच वी) और 164877 वितरण ट्रांसफार्मर सब स्टेशन मौजूद है।

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

निम्न तिथियों के अनुसार	अधिष्ठापित क्षमता			वर्ष के दौरान क्षमता अभिवृद्धि
	केन्द्रीय क्षेत्र	राज्य क्षेत्र	कुल	
1993-94 (31.3.94)	3360	3783	7143	हसदेव बंगो में क्रमश दिनांक 21.11.94 और 11.1.95 को 240 मे०वा० जल विद्युत यूनिटों के चालू किए जाने के कारण 80 मे० वा० की अभिवृद्धि
1994-95 (31.3.95)	3369	3863	7223	
1995-96 31.3.96)	3360	3863	7223	—
1996-97 (31.3.97)	3360	3863	7223	—

(ग) और (घ) उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किए गए उपाय विवरण में दिए गए है।

विवरण

मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड के विद्युत स्टेशनों की विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए उठाये गये कदम।

1. ताप विद्युत स्टेशन

संजय गांधी ताप विद्युत स्टेशन में प्रत्येक 210 मे० वा० वाली यूनिट 3 एवं 4 का निर्माण कार्य एम पी ई बी किया जा रहा है। यूनिट 3 और 4 को चालू करने का निर्धारित कार्यक्रम क्रमशः जून 99 और दिसम्बर 99 है;

वर्तमान में कोरबा पूर्वी टी पी एस का चरण-11 (4×50 मे० वा०) की ह्रासित क्षमता पर कार्य कर रहा है और अमरकटंक टी पी एस में चरण-1 की एक 30 मे०वा० वाली यूनिट 20 मे० वा० की ह्रासित क्षमता पर कार्य कर रही है; यूनिटों की मूल क्षमता को पुनः प्राप्त करने के लिए इन ताप विद्युत स्टेशनों में नवीकरण कार्य किया जा रहा है उपरोक्त के अतिरिक्त यूनिटों के कार्य निष्पादन में सुधार लाने के लिए सरनी, कोरबा पश्चिम, कोरबा पूर्व तथा अमरकटंक टीपीएस में भी नवीकरण और आधुनिकीरण कार्य किया जा रहा है।

2. जल विद्युत स्टेशन्स

राजघाट जल विद्युत परियोजना 3×15 का बाणसागर जल विद्युत परियोजना 2 × 15 मे० वा० चरण-II , 3 × 20 मे० वा० चरण-III , 2 × 10 मे० वा० चरण IV का निर्माण कार्य एम एस ई बी द्वारा किया जा रहा है। इन यूनिटों को चालु करने की निर्धारित तिथियां नीचे दी गई हैं:—

1. बाणसागर जल विद्युत परियोजना चरण-II (2)× 15 मे० वा०)
   - (1) जुलाई 2000
   - (2) अक्टूबर 2000

   इन विद्युत स्टेशना को चालू करने का कार्यक्रम अंतिम है और बांध के शीर्ष स्तर तक निर्माण किए जाने और निधियों की उपलब्धता पर आधारित है।

2. (2) बाणसागर एच ई पी चरण-II 3 × 20 मे० वा०)
   - (1) यूनिट-I जुलाई 99
   - (2) यूनिट-II अक्टूबर 99
   - (3) यूनिट-III फरवरी 2000

3. (3) बाणसागर एचईपी चरण-IV 2 × 20 मे० वा०)
   - (1) जुलाई 2002
   - (2) अक्टूबर 2002

4. (4) राजघाट एच ई पी (3 × 15 मे० वा०)
   - (1) यूनिट-I जुलाई 1998 (अंतिम)
   - (2) यूनिट-II सितम्बर 1998
   - (3) यूनिट-III नवम्बर 1998

Power projects in Uttar Pradesh

577. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the details of power projects received from the public and private sector during the last two years in Uttar Pradesh and which of them are still pending; and

(b) by when these are proposed to be cleared?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF STATE ON THE MINISTRY OF POWER (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) and (b) The details of proposals received from the Public and Private Sector during the last 2 years for setting up of power projects in Uttar Pradesh as on June, 1997 are as follows:

Sl. No.	Name of the Project	Sector	Capacity	Status of clearances
1.	Vishnuprayag HEP	Private	400. MW	CEA cleared.
2.	Dhauliganga (Intermediate Stage)	NHPC	210 MW	DPR under examination in CEA.